तर्ज- ये रेश्मी पाजेब की झनकार के सदके

ए पंजे वाले तेरे इस दरबार के सदके
प्राणों के नाथ मेरी इस सरकार के सदके

1-इस दुख के खेल में तूं
अपने साथ आया है
नासूत का तन धार के
अपना आप छुपाया है
करते हो अर्श की बातें इस गुफ्तार के सदके

2- दुनिया को अखंड किए बिन
तुम जा नहीं सकते
ब्रह्मवाणी के ये वाक्य
तुम मिटा नहीं सकते
तेरी इस श्री मुख वाणी की गुंजार के सदके

Nijanand App